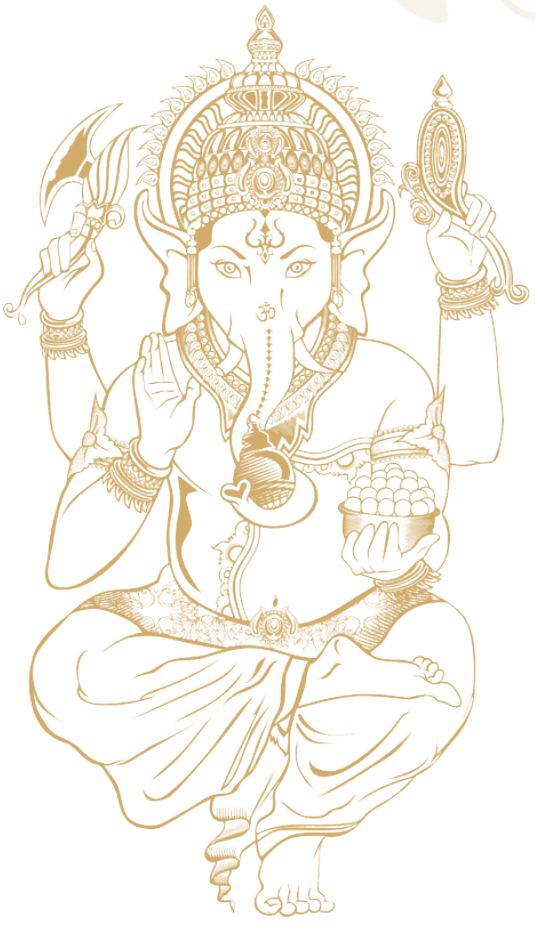

Bhavin

Janvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121247803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/03/2000	जन्म तिथि	31/10/2003
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:37:00	जन्म समय	10:45:00 घंटे
घटी 20:02:36	जन्म समय(घटी)	09:59:18 घटी
India	देश	India
Kadi	स्थान	Beawar
23:20:00 उत्तर	अक्षांश	26:02:00 उत्तर
72:22:00 पूर्व	रेखांश	74:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:40:32	स्थानिक संस्कार	-00:33:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:57	सूर्योदय	06:41:46
18:54:56	सूर्यास्त	17:53:07
23:51:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 6मा 9दि	17:37:02	कर्क	लग्न	धनु	05:46:44	सूर्य 3वर्ष 11मा 6दि
राहु	15:07:24	मीन	सूर्य	तुला	13:27:31	राहु
07/10/2021	29:56:43	धनु	चंद्र	मक	01:15:21	06/10/2024
07/10/2039	10:46:28	मेष	मंगल	कुंभ	13:06:31	07/10/2042
राहु 19/06/2024	17:20:36	कुंभ	बुध	तुला	17:09:07	राहु 20/06/2027
गुरु 13/11/2026	14:43:52	मेष	गुरु	सिंह	19:02:44	गुरु 12/11/2029
शनि 19/09/2029	25:46:42	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	02:45:12	शनि 18/09/2032
बुध 07/04/2032	21:20:50	मेष	शनि व	मिथु	19:18:28	बुध 08/04/2035
केतु 26/04/2033	07:24:05	कर्क	राहु	मेष	26:37:06	केतु 25/04/2036
शुक्र 25/04/2036	07:24:05	मक	केतु	तुला	26:37:06	शुक्र 26/04/2039
सूर्य 20/03/2037	25:41:35	मक	हर्ष व	कुंभ	05:01:03	सूर्य 20/03/2040
चन्द्र 19/09/2038	12:16:56	मक	नेप	मक	16:30:43	चन्द्र 18/09/2041
मंगल 07/10/2039	18:59:30	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	24:21:35	मंगल 07/10/2042

लग्न-चलित

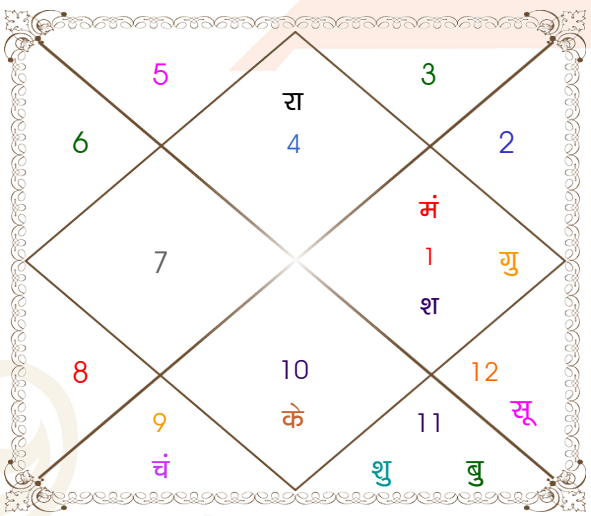

लग्न-चलित

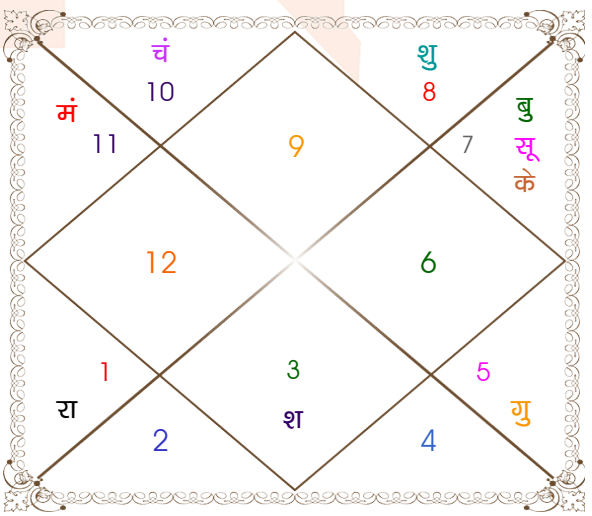

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	नकुल	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Bhavin का वर्ग मूषक है तथा Janvi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bhavin और Janvi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Bhavin मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Janvi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Bhavin तथा Janvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।